

मनेन्द्रगढ़

23 फरवरी 2026
सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ठाणे के IVF सेंटर में चल रहा था एग-डोनेशन रैकेट :3 आरोपी गिरफ्तार

एग प्रोडक्शन बढ़ाने महिलाओं को इंजेक्शन लगाते, एक एग के बदले 30000 देते



ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने एक बड़े एग-डोनेशन रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट बदलापुर ईस्ट के जेवेली में एक रेजिडेंशियल अपार्टमेंट और एक सोनोग्राफी सेंटर से चल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने यहां छापे मारा और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सुलक्षणा गाडेकर, अश्विनी चाबुकस्वार, और मंजुषा वानखेडे के तौर पर हुई है।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को लालच देकर बार-बार उनके एग (अंडाणु) निकलवाता था। उन्हें शारीरिक रूप से शोषित करता था। पीड़ितों को हर साइकिल के लिए 25 से 30,000 रुपए दिए जाते थे।

पुलिस का दावा है कि पीड़ितों को एग प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए हार्मोनल इंजेक्शन दिए जाते थे। एग तैयार होने के बाद, पीड़ितों को IVF सेंटर भेजा जाता था, जहां सर्जरी करके एग निकाले जाते थे। अब तक 20 से ज्यादा महिलाएं इनका शिकार हो चुकी हैं।

एग डोनेशन एक फर्टिलिटी प्रोसीजर है जिसमें एक महिला किसी दूसरे व्यक्ति को कंसिब करने के लिए एग देती है, आमतौर पर IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) के जरिए। डोनेर की स्क्रीनिंग और हार्मोन ट्रेटमेंट होता है, एग निकाले जाते हैं, फर्टिलाइज किए जाते हैं और रिसेवर को ट्रांसफर किए जाते हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर



प्रयागराज में पॉक्सो एक्ट में हुआ केस, मुकुंदानंद का भी नाम

प्रयागराज, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज एफआईआर में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दरअसल, जगदुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में केमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था।

तमिलनाडु-बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिर तार

हमले की साजिश थी, आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से कनेक्शन

तिरुप्पुर/नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकीयों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इस्लामिक स्टूडेंट्स फ्रंट और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों को गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को



पल्लदम और एक आरोपी तिरुमुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे।

आतंकीयों की मदद के लिए रेकी की: दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकीयों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोप है। इसके अलावा दिल्ली में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर लगाने में भी शामिल होने का शक है।

प. बंगाल-ममता मोर्चे पर, भाजपा को चेहरे की तलाश

टीएमसी की कोशिश चुनाव फिर से दीदी बनाम मोदी

कोलकाता, एजेंसी। स्पेशल इंटेलिजेंस रिजिजन (SIR) को लेकर चर्चा के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में गरमाहट बढ़ रही है। बंगाल की सियासी हवा में अभी 'रू' हावी है। रूयानी-महिला, मुस्लिम, मस्जिद, मंदिर, मटन, मछली, मनी पॉवर, मसल पॉवर... ममता और मोदी। बंगाल की राजनीति यहां के दो

सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों-मोहन बागान या ईस्ट बंगाल की तरह दो धुवों में बंटी है। पहले बंगाल की राजनीति कांग्रेस बनाम लेफ्ट थी, फिर 34 साल लेफ्ट का राज रहा। अब 15 साल से तुणमूल सत्ता में है और पिछले पांच साल से उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है। टीएमसी के लिए आज भी



ममता का फेस:वाममोर्चा के 34 साल का 'लाल किला' भेदकर सीएम बनीं ममता बनर्जी डेढ़ दशक की सत्ता के बाद भी आक्रामक शैली में मोर्चे पर हैं। टीएमसी के लिए आज भी ममता का फेस, लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाएं और मुस्लिमों का एकजुट वोट, जीत का फॉर्मूला है। वहीं, भाजपा पीएम मोदी के

चेहरे, अनुशासित संगठन और 'डबल इंजन' के नारे के साथ मैदान में है। हालांकि, सड़क पर मुकाबले के लिए उसे अभी भी ऐसे 'मुद्दे, मौके और स्थानीय बड़े चेहरे' की तलाश है, जो उसकी विधानसभा सीटों 77 से 148 तक पहुंचा सके। स्थानीय स्तर पर ममता के कद के नेता की कमी बड़ी चुनौती है। इस

बीच, वाममोर्चा व कांग्रेस राज्य में अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष कर रहे हैं।

जो सड़क जीते सरकार उसी की: एक बंगाली दैनिक के सीनियर पत्रकार कहते हैं कि यहां जो सड़क जीत लेता है वह चुनाव जीत लेता है और फिलहाल सड़क पर ममता ही दिख रही है।

● मेरठ में विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी ● मेट्रो-रैपिड रेल का उद्घाटन किया

कांग्रेस ने भारत के वैश्विक आयोजन को नंगी राजनीति का अखाड़ा बनाया

मेरठ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पहले नमो भारत ऋषभस का उद्घाटन किया, पूरा दिल्ली-मेरठ नमो भारत पूरा कॉरिडोर और मेरठ मेट्रो (मेरठ साउथ-मोदीपुरम) देश को समर्पित किया। पीएम ने करीब 12,930 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स समर्पित किए। इससे पहले, पीएम मोदी ने नमो भारत और मेरठ मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शताब्दी नगर से मेरठ दक्षिण स्टेशन तक सफर भी किया। इसमें 17 लोग रहे जिनमें 5 स्कूली बच्चे, चार एमबीबीएस स्टूडेंट्स, पांच सफाईकर्मी और तीन दिल्ली के युवा उद्यमी थे। मेरठ दक्षिण स्टेशन से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जनसभा स्थल पर मोहिउद्दीनपुर पहुंचे।

विकसित भारत के लिए नई क्रांति को ऊर्जा मिल रही है: मेरठ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'बाबा औषधनाथ की इस पावन धरती पर आज विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत के लिए नई क्रांति को ऊर्जा मिल रही है। आज पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी यह उसकी एक शानदार झांकी है। शहर के भीतर के लिए मेट्रो और ट्वीन सिटी के विजन को गति देने के लिए



नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन का काम हुआ है।

अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती, भटकती नहीं हैं: पीएम मोदी ने कहा कि हमारी कार्य संस्कृति है कि बेटियां ही नेतृत्व कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है। यूपी में मेरठ के अलावा भी कई सारे शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है। बीते 11 वर्षों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची...

पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सनाटा छा जाता था: पीएम मोदी ने कहा कि पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सनाटा छा जाता था। यहां डर और भय का माहौल होता था। अब एक तरफ कानून व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण और सुरक्षित यात्रा का भी माध्यम मिला

है। मुझे खुशी है कि नमो भारत रैपिड रेल... ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक भी बनी है। इसमें ट्रेन ऑपरेटर, स्टेशन कंट्रोल स्टाफ... ऐसे अधिकतर काम में हमारी बेटियां ही कार्यरत हैं, बेटियां ही नेतृत्व कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है। यूपी में मेरठ के अलावा भी कई सारे शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है। बीते 11 वर्षों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची... क्योंकि भाजपा सरकार देश की जनता को सुविधा देना चाहती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-सपा की जब दिल्ली में सरकार थी, तब ये सब संभव ही नहीं था। क्योंकि तब इफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स घोटालों में ही

एक ही स्टेशन, एक ही ट्रेक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी

सराय कालेखों, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ... इन स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। देश में ये पहली बार हो रहा है जब एक ही स्टेशन, एक ही ट्रेक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी। यानी, एक ही प्लेटफॉर्म से आप शहर के भीतर भी यात्रा कर पाएंगे और उसी स्टेशन से सीधे दिल्ली भी आ-जा सकते हैं। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है। पीएम मोदी ने कहा कि आज पहली बार, एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है। शहर के भीतर के लिए मेट्रो और TWIN city के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन... मुझे संतोष है कि ये काम उत्तर प्रदेश में हुआ है।

गुम हो जाते थे। हमने घोटाले भी बंद किए और देश को आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भी आगे बढ़ाया। क्योंकि भाजपा की प्रार्थमिकता देश का विकास है, देशवासियों की सुविधा और समृद्धि है।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

● पाक बोला- टीटीपी के 7 कैंपों को निशाना बनाया, आत्मघाती हमलों का बदला लिया



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजोरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस ब्रेक ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क के कारण।'

अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमलों के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला। अमेरिकी

मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

अफगानिस्तान बोला-सही समय पर कड़ा जवाब देंगे: अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पकिस्तान से एक धार्मिक स्कूल पर झेन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे।

मन की बात का 131वां एपिसोड:

पीएम मोदी बोले- एआई समिट में दुनिया के लोग जुटे; देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर्स, टेक कंपनी के दिग्गज यहां जुटे। पीएम ने कहा कि दुनिया में एआई कैसे काम करेगा, इसके लिए दुनिया के लोग जुटे। इसमें मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाईं। समिट में 2 प्रोडक्ट्स में सभी को बहुत प्रभावित किया। अमूल के प्रोडक्टर ने बताया कि



कैसे जानवरों की हेल्थ में मदद करेगा। दूसरा प्रोडक्ट हमारी संस्कृति से जुड़ा था। मोदी ने कहा कि कैसे एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एजोविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्कोवरी किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया। एआई अवतार इसे पढ़ता नजर

आया। भारतीय और विदेशी भाषाओं में इसे बदला जा सकता है। साल 2026 का पीएम का ये दूसरा एपिसोड भी है। पीएम ने कहा कि भारत ने अपने 3 मॉडल भी पेश किए। ये एआई की सबसे बड़ी समिट रही है। मैं इसकी सभी को बधाई देता हूँ।

पीएम बोले- टी20 वर्ल्ड कप में कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी: पीएम मोदी ने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप के मैच आप देखते होंगे। कई बार आंखें खास खिलाड़ी पर टिक जाती हैं। जर्सी किसी और देश की है लेकिन खुशी होती है कि वो अपने देश का है। क्योंकि वो खिलाड़ी भारतीय मूल का होता है। वो दूसरे देश से इसलिए खेल रहा होता है क्योंकि उसका परिवार वहां बस चुका है।

उन्होंने आगे कहा- कनाडा टीम के कप्तान का जन्म गुदासपुर में हुआ था। ये कनाडा के साथ-साथ भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात अंडर 16-18 के लिए भी खेल चुके हैं। ऐसे ही कई नाम हैं। ओमान की टीम में ऐसे कई नाम हैं। जो भारत में खेल चुके हैं। ये खिलाड़ी ओमान क्रिकेट की मजबूत कड़ी हैं।

इटली, यूई की भी टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। पीएम बोले कि ये खिलाड़ी भारत के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं वे अपनी धरती से जुड़े रहते हैं।

देश को ऑर्गन डोनेशन की जरूरत: पीएम ने कहा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने से बड़ा दुख हो ही नहीं सकता। केरल में 10 महीने की बच्ची होता है क्योंकि उसका परिवार वहां बस चुका है।

चुनाव की तारीखों से पहले ही छावनी बनेगा बंगाल, आचार संहिता लगने से पहले ही मोर्चा संभालेगी फोर्स



कोलकाता, एजेसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) ने बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य में मतदान की तिथियों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी इस अधिसूचना ने राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक गतिधाराओं में हलचल तेज कर दी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया यह निर्णय दर्शाता है कि आयोग इस बार बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर है।

होली के तत्काल बाद घोषित हो जाएगा चुनाव : आयोग की योजना के अनुसार, केंद्रीय बलों की यह तैनाती दो रणनीतिक चरणों में संपन्न की जाएगी। पहले चरण की शुरुआत आगामी एक मार्च से होगी। गौर करने वाली बात यह है कि इस अवधि तक न तो चुनाव की तिथि अधिसूचित होगी और न ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी होगी। इसके बाद दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होगा, जिसके बारे में यह संभावना जताई जा रही है कि तब तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी होगी और आचार संहिता लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग होली के तत्काल बाद मतदान के विभिन्न चरणों की घोषणा कर सकता है। इन दो शुरुआती चरणों में कुल 480 कंपनियों को तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्रत्येक चरण में 240-240 कंपनियां भेजी जाएंगी। एक मार्च को पहुंचने वाली पहली खेप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआइएफ) की 110 कंपनियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 55, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की 21, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की 27 और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 27 कंपनियां शामिल होंगी। वहीं, 10 मार्च के दूसरे चरण में बलों की संख्या में फेरबदल करते हुए सीआरपीएफ की 120 और बीएसएफ की 65 कंपनियां सहित अन्य बलों का मिश्रण तैनात किया जाएगा।

आवाजाही और तैनाती के लिए सीआरपीएफ होगी मुख्य समन्वयकारी एजेसी : निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी आवाजाही और तैनाती के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्य समन्वयकारी एजेसी के रूप में कार्य करेगी। साथ ही, पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित बलों के मुख्य समन्वयकों के साथ मिलकर तैनाती की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। इन बलों की वापसी के संबंध में निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। समय से पहले बलों की इस दस्तक को संवेदनशील इलाकों में मतदाताओं के बीच विश्वास पैदा करने और संभावित हिंसा को रोकने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

वाटिका रोड पर बदमाशों ने मचाया उपद्रव, नकाबपोशों ने लाठी-डंडों से ढाबे में की जमकर तोड़फोड़



जयपुर, एजेसी। जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में कानून-व्यवस्था को ठेगा दिखाते हुए बेजौफ बदमाशों ने देर रात भारी उखाट मचाया। मामला जयपुर के वाटिका रोड स्थित एक सड़क किनारे बने ढाबे का है, जहाँ करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने अचानक हमला बोल दिया।

सीसीटीवी में कैद हुई दहशत : वारदात की पूरी घटना ढाबे में लगे कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि लाठियों और डंडों से लैस ये हमलावर किस तरह ढाबे के अंदर दाखिल होते हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं। नकाबपोशों ने न केवल फनीचर और अन्य सामान को तोड़ा, बल्कि वहाँ मौजूद लोगों के बीच दहशत भी फैला दी। देर रात हुई इस अचानक तोड़फोड़ से इलाके में हड़कंप मच गया। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह हमला किसी पुरानी रंजिश का नतीजा है या फिर वसूली के इरादे से दहशतवादी की गई है।

नाबालिग से गधन्य अपराध के दोषी कोच को उम्रकैद, कोलकाता में की थी हत्या-लूटपाट की कोशिश

कोलकाता, एजेसी। एक तैराकी प्रशिक्षक को नाबालिग लड़की की हत्या का प्रयास और लूटपाट के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सियालदह अदालत के न्यायाधीश अनिबन दास ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपित संदीप साउ को शुक्रवार को दोषी ठहराया था। यह घटना 2015 में कोलकाता के चितपुर इलाके में हुई थी। अदालती सूत्रों के अनुसार, 18 मार्च, 2015 को तैराकी प्रशिक्षक नाबालिग के फ्लैट में दाखिल हुआ। उस समय नाबालिग के माता-पिता नहीं थे। नाबालिग फ्लैट में अकेली थी। हालांकि नाबालिग व उसके माता-पिता तैराकी प्रशिक्षक से परिचित थे।

संदीप साउ ने फ्लैट में घुसते ही अलमारी खोली तथा पैसे व गहने निकालने लगा। उसने नाबालिग से कहा कि उसे अपने पिता के इलाज के लिए पैसे की जरूरत है। घटना को देखकर नाबालिग ने इसका विरोध किया। आरोप है कि संदीप ने तौलिये से नाबालिग का गला घोटकर मारने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसने नाबालिग को चाकू से गोद दिया। खुन से लथपथ होकर नाबालिग बेहोश हो गई। इसी बीच, संदीप फरार हो गया। बाद में, जब नाबालिग को होश आया, तो उसने दूसरे फ्लैट के पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। पड़ोसी उसे अस्पताल ले गए। पुलिस को सूचना दी गई। लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद संदीप साउ को गिरफ्तार कर लिया। सियालदह अदालत में मामला दर्ज किया गया। अदालत में कुल 22 लोगों ने गवाही दी।

गोवा देश का इकलौता राज्य जहां घट गई मतदाताओं की संख्या, वोटर लिस्ट से कटे 1.27 लाख नाम

गोवा, एजेसी। गोवा में चुनाव आयोग द्वारा शनिवार को जारी की गई अंतिम मतदाता सूची ने एक अहम और असामान्य रुझान को सामने रखा है। लगभग चार महीने तक चले विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ड्राफ्ट मतदाता सूची की तुलना में अंतिम सूची में 2.5 प्रतिशत और पुनरीक्षण से पहले की सूची की तुलना में 10.8 प्रतिशत मतदाताओं की कमी आई है। देश में अब तक जिन नौ अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्टूकपूरा हुआ है, वहां ड्राफ्ट से अंतिम सूची के बीच मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जबकि गोवा इकलौता राज्य है जहां इसमें गिरावट दर्ज हुई।

क्या कहते हैं आंकड़े : स्पेशल इंटेलिजेंस रिवीजन शुरू होने से पहले, 27 अक्टूबर को गोवा में कुल 11,85,034 मतदाता पंजीकृत थे। गणना चरण के बाद 16 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 10,84,992 रह गई, यानी 8.4 प्रतिशत की कमी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या और घटकर 10,57,666 हो गई।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी



द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ड्राफ्ट सूची में शामिल 10,84,992 मतदाताओं में से केवल 9,02,589 नाम पिछले स्टूक रोल से मैप हो पाए, जबकि 1,82,403 मतदाता अनमैड पाए गए।

इसके अलावा, मैप किए गए मतदाताओं में भी 58,923 मामलों में ताकिक विसंगतियां पाई गईं, जिनमें पिता के नाम में अंतर, माता-पिता या दादा-दादी के साथ आयु का असामान्य अंतर और छह से अधिक बच्चों का उल्लेख जैसी त्रुटियां शामिल थीं।

ड्राफ्ट और अंतिम सूची में अंतर

: दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान कुल 24,949 आवेदन समावेशन या निवास परिवर्तन के लिए आए। इनमें से 12,166 आवेदनों के आधार पर नाम जोड़े गए, जबकि 3,812 मामलों में नाम कटे गए। कुल मिलाकर ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच 39,592 नाम हटाए गए और 12,166 जोड़े गए, जिससे 27,426 मतदाताओं का शुद्ध विलोपन हुआ।

चीफ इलेक्शन ऑफिसर संजय गोयल के अनुसार, स्टूकपूरा की शुरुआत में मौजूद सूची की तुलना में कुल 1,27,468 मतदाताओं के नाम हटे हैं, जो कुल मतदाता

सूची का लगभग 10.75 प्रतिशत है। इनमें 428 ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पुर्तगाली पासपोर्ट हासिल कर लिया था, लेकिन उनके नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज थे।

कहां घटे सबसे अधिक वोटर : क्षेत्रवार देखें तो वास्को द गामा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 11,657 नाम कटे हैं। इसके बाद कोंटॉलिम में 9,389 और डबावोलिम में 5,489 मतदाताओं के नाम हटाए गए। उत्तरी गोवा में तालेइगाओ में

4,947 और पणजी में 4,274 नामों का विलोपन हुआ।

अंतिम सूची में 5,11,436 पुरुष, 5,46,121 महिलाएं और नौ तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के नए मतदाताओं का प्रतिशत ड्राफ्ट सूची के 0.5 प्रतिशत से बढ़कर अंतिम सूची में 0.89 प्रतिशत हो गया है। आयोग ने बताया कि जिन नागरिकों को अंतिम सूची पर आपत्ति है, वे नियमानुसार अपील या नया फॉर्म दाखिल कर सकते हैं।

इन राज्यों में घटे सबसे ज्यादा वोटर

अंडमान और निकोबार में मतदाता संख्या 16.9 प्रतिशत, गुजरात में 13.4 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 11.8 प्रतिशत घट गई। इसके विपरीत लक्षद्वीप, केरल और राजस्थान ऐसे क्षेत्र रहे, जहां मतदाता सूची में सबसे कम गिरावट देखी गई। लक्षद्वीप में केवल 0.4 प्रतिशत, केरल में 3.2 प्रतिशत और राजस्थान में 5.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सभी राज्यों में एक जैसा बदलाव नहीं हुआ, जिसका असर राज्यों की आपसी रैंकिंग पर भी पड़ा है। केरल, जो ड्राफ्ट चरण में अधिक कटौती वाले राज्यों में शामिल था, अंतिम सूची में सबसे कम गिरावट वाले तीन राज्यों में पहुंच गया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश और गोवा, जो पहले अपेक्षाकृत नीचे थे, अब अधिक कटौती वाले राज्यों की सूची में ऊपर आ गए हैं। कितना राज्यों में कितना बदलाव ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सबसे बड़ा सुधार केरल में देखने को मिला, जहां मतदाता संख्या में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 4.7 प्रतिशत और पुडुचेरी में 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

5 जवानों की मौत; 3 की हालत नाजुक



गोवाहाटी, एजेसी। ओडिशा के झारसुगुड़ जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफतार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़

दम तोड़ दिया। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोंडा, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुर आ और होमगार्ड भक्तबन्धु मिर्धा का निधन हुआ है।

दुर्घटना में घायल हुए तीन अन्य कर्मियों में आर्मेट पुलिस रिजर्व के दो सदस्य और एक सार्जेंट शामिल हैं। स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत झारसुगुड़ जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

तमिलनाडु में दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

तिरुपुर, एजेसी। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुपुर से छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के समर्थन में ऑनलाइन सामग्री साझा करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर तिरुपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान उधुकुली से दो, पल्लवम से तीन और थिरुमुरगनुडुडी से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया।

पहचान छुपाने के लिए फर्जी दस्तावेज : जांच में सामने आया कि ये सभी आरोपी बांग्लादेशी नागरिक हैं जो अवैध रूप से भारत में रह रहे थे।

जंग के मैदान में तब्दील हुई पहाड़ियां

छत्तीसगढ़ में दो हजार जवानों ने घेरा माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना

जगदलपुर, एजेसी। माओवादी हिंसा के समूल खत्म की 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से पहले सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित करंगुडु पहाड़ी में निर्णायक अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के सुकमा, दत्तेवाड़ा व बीजापुर जिलों से आए करीब दो हजार जवानों ने पहाड़ी को पूरी तरह से घेर लिया है। सुरक्षा एजेंसियों का लक्ष्य माओवादियों के शेष नेटवर्क व उनके अंतिम सुरक्षित ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त करना है।

खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर करंगुडु क्षेत्र में केशा, पापाराव जैसे 100 से अधिक माओवादी हिंसकों की मौजूदगी की बात सामने आई है। इसी आधार पर

पहाड़ी की रणनीतिक घेराबंदी कर सच और काबिज ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सविलांस, आधुनिक संचार उपकरण व रियल-टाइम मॉनिटरिंग के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। करंगुडु पहाड़ी के नीचे पहले से स्थापित स्थायी सुरक्षा कैंप के चलते रसद, चिकित्सा और खरिद सहायता व्यवस्था इस बार अधिक मजबूत बताई जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इसी क्षेत्र में सुरक्षाबल की बड़ी कार्रवाई में 31 माओवादी मारे गए थे व भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा अभियान माओवादियों की शेष ताकत को निर्णायक रूप से तोड़ सकता है। गृह मंत्री शाह ने दिए थे संख्य कार्रवाई के संकेतहाल ही में बस्तर दौर पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सक्रिय माओवादी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे।

आसमान का नया सुल्तान, तुर्की के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट कान ने दुनिया को चौंकाया

अंकारा, एजेसी। रक्षा तकनीक और लड़कू विमानों की दुनिया में तुर्की ने एक ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के सुपरसोनिक स्टील्थ फाइटर जेट कान को वैश्विक मंच पर पेश कर दिया है। इसे केवल एक विमान नहीं, बल्कि तुर्की की सैन्य आत्मनिर्भरता के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के एफ-35 जैसे अदृश्य (स्टील्थ) गुणों और फ्रांस के राफेल से भी अधिक तेज रफतार के साथ कान ने दुनिया की महाशक्तियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस जेट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुपरक्रूज क्षमता है, जो इसे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर ध्वनि की गति से भी तेज उड़ान भरने में सक्षम बनाती है। इसके आने से न



केवल तुर्की की सामरिक शक्ति बढ़ी है, बल्कि पड़ोसी देशों और वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों के बीच नई रणनीतिक चिंताएं भी पैदा हो गई हैं। तुर्की का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट, जिसे टीएफ-एक्स के नाम से भी जाना जाता है, अब अपने परीक्षण के सबसे उन्नत चरणों में पहुंच चुका है। फरवरी 2026 तक इसके दूसरे प्रोटोटाइप ने भी सफल उड़ान भरकर यह

साबित कर दिया है कि तुर्की अब अत्याधुनिक लड़कू विमानों की श्रेणी में मजबूती से खड़ा है। इस परियोजना के माध्यम से तुर्की अपनी सैन्य जरूरतों के लिए अमेरिकी तकनीक पर निर्भरता को कम कर एक स्वदेशी वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। कान की डिजाइनिंग में रडार एवॉल्यूटिव मटेरियल (आरएएम) कोटिंग का इस्तेमाल किया गया है,

जो रडार सिग्नलों को सोख लेती है और विमान को दुश्मन की पहुंच से बाहर रखती है। हथियारों के मामले में कान बेहद घातक है। यह पूरी तरह से तुर्की में विकसित गैसडोमंग और बोजडोमंग मिसाइलों से लैस है, जो इसे हवा से हवा में छेटी और लंबी दूरी तक सटीक मारक क्षमता प्रदान करती है। इसकी सबसे खास बात इसकी इंटरनल वेपन बे है, जिसमें मिसाइलें विमान के ढांचे के अंदर छिपी रहती हैं, जिससे रडार पर इसकी आकृति नापण्य हो जाती है। इसके अलावा, एसओएम-जे जैसी स्टैंड-ऑफ क्रूज मिसाइलें इसके सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों को बिना करीब हुए तबाह करने की शक्ति देती हैं। एसेल्स द्वारा निर्मित अत्याधुनिक इंजिन रडार इसे एक साथ दर्जनों लक्ष्यों को ट्रैक करने की क्षमता देता है।

बलूचिस्तान की अम्मा हूरी का इंतजार अधूरा, लापता बेटे की राह देखते-देखते दुनिया को कहा अलविदा

क्रेटा, एजेसी। बलूचिस्तान की एक साहसी मां, अम्मा हूरी, जो अपने लापता बेटे गुल मोहम्मद मरी की वापसी के लिए पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रही थीं, का इंतजार कभी पूरा नहीं हुआ। 16 फरवरी को 80 वर्ष की उम्र में अम्मा हूरी ने अंतिम सांस ली। वह बलूचिस्तान की उन हजारों माताओं की प्रतीक बन गईं, जो पाकिस्तान सरकार की सामूहिक दंड की नीतियों का शिकार हो चुकी हैं। अम्मा हूरी ने पिछले कई वर्षों में बिना थके अपने बेटे की वापसी के लिए शासन से कई बार अपील की, लेकिन उनका संघर्ष कभी सफल नहीं हुआ। वह जबरन गुमशुदगी के खिलाफ पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में धरनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल होती रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अदालतों और



थानों में भी न्याय की मांग की, जिससे उनका संघर्ष एक प्रतीक बन गया था। **बलूचिस्तान में लापता लोगों की समस्या :** रिपोर्टों के मुताबिक, अम्मा हूरी

के बेटे गुल मोहम्मद मरी को 2012 में कश्मि तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया था। इसके बाद अम्मा हूरी अपने बेटे के लिए

न्याय की लड़ाई लड़ती रही थीं, और यह संघर्ष पूरे बलूचिस्तान में एक राजनीतिक चेतना का हिस्सा बन गया। बलूचिस्तान की हर मां की तरह अम्मा हूरी ने भी लगातार प्रयास किए, लेकिन अंततः उनका इंतजार अधूरा ही रहा।

सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष: उनको जैसी माताओं का दर्द अब बलूचिस्तान के जनजीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। द बलूचिस्तान की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अम्मा हूरी जैसे संघर्शील व्यक्तियों ने बलूचिस्तान और पाकिस्तान राज्य के बीच के रिश्तों पर गहरा असर डाला है। बलूचिस्तान को लापता व्यक्तियों के परिवारों की अपीलों को पाकिस्तान सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया है, बावजूद इसके ये संघर्ष जारी रहे।

'अम्मा हूरी' का संघर्ष और उनकी विरासत: पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन के अनुसार, अम्मा हूरी ने जीवनभर अपने बेटे की वापसी की उम्मीद में सार्वजनिक रूप से न्याय की मांग की। वह अक्सर सड़कों पर और लापता व्यक्तियों के कैंप में अपने बेटे के लिए न्याय की आवाज उठाती थीं। उनके संघर्ष की कहानी अब तक कई अन्य बलूच महिलाओं को प्रेरित करती है, जो आज भी लापता व्यक्तियों के लिए संघर्ष कर रही हैं। नसरुल्लाह बलूच, जो वॉयस फॉर बलूच मिंसिग परसन्स के चेयरमैन हैं, कहते हैं, अम्मा हूरी के निधन के बाद उनकी लड़ाई को कोई नहीं भुला सकता। सोशल मीडिया को पाकिस्तान सरकार द्वारा नजरअंदाज आज भी वायरल हो रहे हैं, जो उनकी दृढ़ता और साहस का प्रतीक बने हुए हैं।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में एनएसएस विशेष शिविर का गरिमामय समापन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार को उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह शिविर 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 22 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अजोत कुमार सिंह उपर्युक्त राज्य नगरीय अभियांत्रिकी सेवा उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए सेवा और समर्पण की भावना को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को केवल सामाजिक कार्यों से ही



नहीं जोड़ती, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी करती है कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के

साथ हुआ। सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता रैली, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम तथा ग्राम

सर्वेक्षण जैसे जनहितकारी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश भी प्रसारित किए गए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा कौल ने



शिविर की विस्तृत प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर का उद्देश्य व्यक्तिगत विकास के माध्यम से समाज सेवा था, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता

निभाई उन्होंने सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया समारोह के अंत में स्वयंसेविकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस नेता ने किया यूजीसी का समर्थन: पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल प्रेस वार्ता में धिरे



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कांग्रेस के भीतर यूजीसी को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई देने लगे हैं एक तरफ कांग्रेस नेता कुंवर सिंह खुलेआम यूजीसी के समर्थन में सड़क पर उतर आए, तो दूसरी ओर प्रदेश नेतृत्व पहले ही इस तरह के किसी भी कानून पर आपत्ति जता चुका है कुंवर सिंह ने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया और कहा, 'अभी तो ये ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है इधर, पहुंचे कांग्रेस नेता

कमलेश्वर पटेल से जब पत्रकारों ने कुंवर सिंह के रुख और पार्टी की आधिकारिक लाइन को लेकर सवाल पूछे तो वे असहज नजर आए। लगातार सवालों से धिरे कमलेश्वर पटेल बड़क गए और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी स्थिति को संभालने के लिए जिलाध्यक्ष और महापौर को बीच-बचाव करना पड़ा हालांकि बाद में कमलेश्वर पटेल ने कुंवर सिंह को नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी नेता पार्टी लाइन से क्रॉस जाकर कोई कदम न उठाए और अनावश्यक बयानबाजी से बचे। पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है और सभी को संगठन की आधिकारिक नीति के अनुरूप ही अपनी बात रखनी चाहिए।

दो दिन तक बिजली सप्लाई रहेगी बंद, हाथियों की मौजूदगी से वन विभाग अलर्ट

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण अंचलों में हाथियों की मौजूदगी के कारण प्रशासन और वन विभाग ने सुरक्षा के लिए कदम उठाए हैं रविवार को हाथियों की गतिविधियों की पुष्टि होने के बाद, 25 गांवों में अगले दो दिनों के लिए एहतियातान बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है।



सुरक्षित वैकल्पिक प्रकाश का इस्तेमाल करने की अपील की है ताकि हाथियों को आकर्षित करने वाली तेज रोशनी से बचा जा सके अकोरी, भोलगढ़, ठकुरदेवा, बेलदह, करणपुर, नौगावा, मिर्चवार, चूल्ही, बारिगवा, बहौरा, पुरुषोत्तमगढ़, झगरहा, हनुमानगढ़, चौहानी, धनिगवा, नौसा, दुधमनिया, सेमरिया, कुबरी, कटौतहा, दुअरा, पावा और सर्रा सहित कई गांवों में हाथियों की संभावित आवाजाही के बारे में सूचना दी है। उन्होंने ग्रामीणों से पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखने और आपसी समन्वय के साथ

जानकारी साझा करने का आग्रह किया है, क्योंकि परिस्थितियों के अनुसार किसी भी समय बिजली बंद की जा सकती है हाथी दिखने पर विभाग को सूचना देने की अपील वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है। हाथियों के विचरण वाले क्षेत्रों में तेज रोशनी, शोर-शरावा और अनावश्यक भीड़ से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही, यदि किसी भी स्थान पर हाथी दिखाई दें, तो तत्काल वन विभाग को सूचित करने की अपील की गई है।

माड़ा वनक्षेत्र में अवैध बोरिंग मशीन जब्त कर रात विरोध के बावजूद वन अमले की कार्रवाई



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माड़ा वनपरिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की है शनिवार देर रात करीब 1:30 बजे वनभूमि पर अवैध रूप से बोरिंग कर रही एक मशीन को जब्त किया यह कार्रवाई वनपरिक्षेत्राधिकारी पुष्पा सिंह के निदेशन में और परिक्षेत्र सहायक मकरोहर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई जानकारी के अनुसार, बीटागार्ड मकरोहर, छतौली, मथानीडांड, जीर, भदौली और कचरा की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी इस सूचना में बताया गया था कि कुछ लोग संगठित होकर वन

विभाग की भूमि पर कब्जा कर व्यावसायिक खेती कर रहे हैं। इस खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने हेतु वनभूमि में अवैध रूप से बोरिंग करवाई जा रही थी वन अमले से विवाद, जब्तों में डाली बाधा सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा, जहां बोरिंग मशीन से काम चलता पाया गया। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने डिस्ट्री रेंजर और बीटागार्ड के साथ देर रात विवाद किया उन्होंने संगठित होकर वाहन जब्तों में बाधा डालने का भी प्रयास किया स्थिति तनावपूर्ण होने के बावजूद, वन अमले ने संयम और साहस का परिचय दिया।

402 बदमाशों पर पुलिस की कार्रवाई, नाइट कॉम्बिंग गश्त में फरार चालकों को नियम पालन करने की हिदायत

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात व्यापक नाइट कॉम्बिंग गश्त की गई यह कार्रवाई जिलेभर में एक साथ चलाई गई, जिससे अपराधियों में दहशत और आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव दिखा इस अभियान के तहत जिले के सभी अनुभागों में थाना और चौकी स्तर पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाईवे पर सघन गश्त और विशेष निगरानी रखी। तकनीकी शाखा की सहायता से कट-ऑफ पार्टियां लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की गई कुल 402 बदमाशों और आरोपियों पर कार्रवाई की गई इस कार्रवाई के दौरान कुल 402



बदमाशों और आरोपियों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 24 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, 164 गिरफ्तारी वारंटियों को भी पकड़ा गया, जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस ने 112 निगरानी बदमाशों और 96 गुंडा बदमाशों की भी जांच की। अभियान में यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी सख्ती बरती गई। छह वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए उनके चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी

गई। देर रात बिना किसी वैध कारण के घूम रहे संदिग्ध युवकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। बैंकों और एटीएम परिसरों का भी औचक निरीक्षण किया गया पुलिस की सक्रिय मौजूदगी के कारण रातभर जिले में शांति का माहौल बना रहा। इस नाइट कॉम्बिंग अभियान को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक प्रभावी कदम माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

माफिया ने थाने के सामने रेत से भरा वाहन छुड़ाया, वन विभाग को चकमा देकर भागा आरोपी

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र में रेत माफिया ने वन विभाग के कब्जे से रेत से भरा वाहन छुड़ा लिया। घटना चितरंगी थाने के ठीक सामने हुई पुलिस ने इस मामले में दो नामजद सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि देर रात सोन घंडियाल अभ्यारण के अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत के अनुसार, प्रतिबंधित क्षेत्र से रेत माफिया अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे थे सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिबंधित क्षेत्र से रेत से भरा एक ट्रिपर जब्त किया पुलिस माफिया का पीछा करते रहे लेकिन भागने में सफल हो गया। वन विभाग का अमला

जब्त किए गए ट्रिपर को सुरक्षित खड़ा करने के लिए चितरंगी थाने ला रहा था। इसी दौरान थाने के सामने ही रेत माफिया से जुड़े लोग मौके पर पहुंच गए आरोप है कि ट्रिपर वाहन मालिक सूर्याश सिंह और चालक दीपक पटेल निवासी सुदा गांव, अपने अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने वन अमले से ट्रिपर छुड़ाया और फरार हो गए एक प्रत्यक्षदर्शी ने नाम न छपाने की शर्त पर बताया कि थाने के सामने काफी देर तक विवाद की स्थिति बनी रही ट्रिपर थाना गेट के सामने खड़ा था, तभी स्कॉर्पियो में सवार होकर कुछ लोग आए। उन्होंने वन विभाग के अमले के साथ धक्का-मुक्की की और ट्रिपर लेकर भाग निकले। डायल-102 वाहन ने आरोपियों का पीछा भी किया, लेकिन तब तक वे मौके से फरार हो चुके थे।

पुजारी मर्डर केस में कार्रवाई न होने पर ब्राह्मण नाराज, प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप 24 फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी तहसील मुख्यालय में पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की हत्या के मामले में कार्रवाई न होने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। यह प्रदर्शन 24 फरवरी 2026 से ग्राम भगवार में होगा रविवार को महासभा ने प्रतीकात्मक धरना देकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा महासभा का आरोप है कि 15 फरवरी 2026 को सीधी कलेक्टर को कुसमी तहसीलदार के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा गया था इसमें उपखंड अधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है इसी वादाखिलाफी के विरोध में यह



प्रदर्शन किया जा रहा है संगठन ने ज्ञापन में कई प्रमुख मांगें रखी हैं इनमें हत्याकांड की पृष्ठभूमि में 'हिंदू पूजा-पाठ विरोधी संगठनों' की भूमिका की जांच कर आरोपियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग शामिल है इसके साथ ही, एक उच्च स्तरीय एसआईटी गठित कर निष्पक्ष जांच और मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की भी मांग की गई है।

महासभा का आरोप है कि फरार संदिग्धों के बारे में पुलिस को सूचना देने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई तीसरी मांग के तहत, मुख्य आरोपी कामता उर्फ लाला केवट पर तहसील परिसर में अवैध अतिक्रमण और खुले बूचड़खाने के संचालन का आरोप लगाते हुए उसके मकान को ध्वस्त करने तथा पर से कथित अवैध हथियारों को जब्त

अनियंत्रित होकर पलटी बाइक ट्रक से बचने की कोशिश में हुआ हादसा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन क्षेत्र में एक बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार छोटेलाल यादव (52) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार शाम की है। हादसा तब हुआ, जब वे अपने गांव पडखुड़ी 588 से रामपुर नैकिन की ओर से वापस घर लौट रहे थे दरअसल, छोटेलाल सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से बचने की कोशिश में अपनी बाइक का संतुलन खो बैठे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई हादसे में बाइक सवार को पैर, सीने, सिर और नाक में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के समय समाजसेवी विजय शुक्ला और राजकुमार सोनी (महाकाल) चुरहट को तरफ से लौट रहे थे। उन्होंने घायल छोटेलाल यादव को सड़क

किनारे पड़ा देखा और तुरंत मदद के लिए आगे आए डायल 112 और 108 एंबुलेंस को सूचना देने के बावजूद लगभग आधे घंटे तक कोई सहायता नहीं पहुंची। इसके बाद दोनों समाजसेवियों ने घायल को अपनी चार पहिया गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन पहुंचाया अस्पताल में पदस्थ कर्मचारी संदीप ने बताया कि घायल छोटेलाल यादव को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है डॉक्टरों के प्राथमिक इलाज के बाद उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई है हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थाना रामपुर नैकिन के प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

संरक्षक दीपक बाधवानी के निधन पर हिन्दू धर्म परिषद ने दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद के संरक्षक मंडल के सदस्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी दीपक बाधवानी के असामयिक निधन से सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। परिषद ने अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुःखद घड़ी में संबल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है। परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. राहुल मिश्रा सहित संरक्षक मंडल और पदाधिकारियों ने अपने शोक संदेश में स्वर्गीय



बाधवानी के निधन को संस्था के लिए अपूर्णनीय क्षति बताया। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि स्व. दीपक बाधवानी का व्यक्तित्व कर्मठ सरल और मिलनसार था। वे धार्मिक आयोजनों और सामाजिक सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते थे। उनका योगदान और स्नेहिल व्यवहार सदस्यों के हृदय में सदैव जीवित रहेगा।

स्काउट-गाइड आंदोलन के जनक को नमन, विद्यालय में हुआ गरिमामय समारोह

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बैडेन पावेल का जन्मदिवस बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा लॉर्ड बैडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया इस अवसर पर संयोजक स्काउट कैप्टन आर.पी. पटेल, गाइड कैप्टन सुचिता सिंह एवं माधुरी वर्मा तथा पूर्व स्काउट कैप्टन मनीष कुमार दीक्षित ने प्राचार्य को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया। तत्पश्चात उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी, समस्त



स्टाफ विद्यालय कैप्टन मास्टर हर्षित द्विवेदी एवं कुमारी अर्पित कर धूप-दीप प्रज्वलित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की स्काउट कैप्टन आर.पी. पटेल ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना एवं इतिहास की विस्तृत जानकारी

दी। वहीं गाइड संस्था शाह ने लॉर्ड बैडेन पावेल के संपूर्ण जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने



कहा कि स्काउट-गाइड युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासित जीवन शैली, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास तथा सेवा भाव की भावना विकसित करने वाला

एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक आंदोलन है यह छात्रों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार एवं साहसी नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

ट्रंप की मनमानी पर रोक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दी हेकड़ी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध ठहराया, जिससे उनकी मनमानी पर रोक लगी। यह फैसला ट्रंप के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है, खासकर मध्यावधि चुनावों से पहले। हालांकि, ट्रंप ने तुरंत 10 बिलियन डॉलर का कार्यकारी आदेश जारी किया। लेख चेतवानी देता है कि ट्रंप अप्रत्याशित कदम उठा सकते हैं, और भारत को उनसे सतर्क रहना होगा। मुझे टैरिफ से

प्यार है और यह मेरा पसंदीदा शब्द है, ऐसा कहकर इतराने वाले राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हेकड़ी निकाल दी। उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत समेत तमाम देशों पर थोपे गए टैरिफ को अवैध करार दिया। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के उन दो न्यायाधीशों ने भी ट्रंप की टैरिफ नीति को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर माना, जिनकी नियुक्ति स्वयं उन्होंने की थी। इससे पता चलता है कि ट्रंप टैरिफ के मामले में

किस तरह नियम-कानूनों की धोर अनदेखी करने में लगे हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल ट्रंप की टैरिफ नीति की हवा निकालने वाला, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने वाला भी है, क्योंकि वे एक तरह से अवैधानिक काम करते पकड़े गए। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति के

जरिये अपने समर्थकों के बीच यह माहौल बनाने में जुटे थे कि वे अमेरिका को

मालामाल कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें भी

उगे जाने का अहसास होगा और

वह भी ऐसे समय, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की कम होती लोकप्रियता को और कम करने वाला है और

इसका उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन यह भी तय है कि वे चैन से बैठने वाले नहीं हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक कार्यकारी आदेश जारी कर सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि इसकी अवधि पांच महीने ही रहेगी, लेकिन इस बीच ट्रंप अन्य उपायों का सहारा लेने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप अमेरिका के साथ अनुचित एवं

भेदभावपूर्ण व्यापार का आरोप लगाकर कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ थोप सकते हैं। इसी तरह वैसे आयात पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं, जिनसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा हो, लेकिन इन उपायों को अमल में लाने के लिए उन्हें जांच के जरिये यह सिद्ध करना होगा कि वास्तव में अमुक-अमुक देश अनुचित व्यापार नीति पर चल रहे हैं या फिर अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं।

विकास का विराट विजय: समृद्ध गुजरात की ओर निर्णायक कदम

कालिलाल मांडे

जनकल्याण, औद्योगिक विस्तार और भविष्य की तैयारी का संतुलित एवं दूरदर्शी बजट गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर गुजरात की एक स्पष्ट रूपरेखा है। चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के इस विशाल बजट में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 65 प्रतिशत राशि पूंजीगत एवं विकाससात्मक कार्यों पर व्यय करने का निर्णय राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शेष राशि पेंशन, वेतन और ब्याज जैसे आवश्यक दायित्वों पर नियोजित की गई है, जिससे वित्तीय अनुशासन और सामाजिक संतुलन दोनों का समन्वय स्थापित होता है। यह बजट दूरदर्शिता, समावेशिता और संतुलित प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सरकार ने ज्ञान (इ4इडु)के सूत्र के माध्यम से गरीब, युवा, अनन्यता और नारीशक्ति को केंद्र में रखकर योजनाओं का निर्माण किया है। गरीब परिवारों के लिए तीन लाख से अधिक आवासों का निर्माण, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न योजनाओं में सहायता राशि को बढ़ाकर 1.70 लाख रुपये करना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय केवल घर बनाने का नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है।

राज्य की 36 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए छात्रवृत्ति के लिए 4,827 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। समस्त कुमार और कन्या छात्रालयों के निर्माण से हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। लगातार दूसरे वर्ष शिक्षा को सर्वाधिक प्राथमिकता देना इस बात का प्रमाण है कि सरकार भविष्य की नींव मजबूत कर रही है। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में संरचनात्मक सुधार, नई कॉलेजों की स्थापना, खेल सुविधाओं का विस्तार तथा स्वावलंबन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक पहल की गई है। किसानों के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त आवंटन, किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज राहत और आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाएगी। सिंचाई और जल प्रबंधन के लिए हजारों करोड़ रुपये की व्यवस्था राज्य की प्रामाण्य अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती प्रदान करेगी। यह बजट स्पष्ट करता है कि सरकार किसान और ग्रामीण विकास को विकास की धुरी मानती है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'सखी साहस' योजना, कार्यशील महिला छात्रावासों का निर्माण और आर्थिक सहायता की व्यवस्था महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करेगी। यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

औद्योगिक विकास इस बजट की प्रमुख विशेषता है। गुजरात इंस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को आधुनिक तकनीक से लैस कर स्मार्ट बनाने का निर्णय उद्योगों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। टेक्सटाइल उद्योग के लिए 2,755 करोड़ रुपये का प्रावधान विशेष रूप से सराहनीय है, जिससे सूत जैसे टेक्सटाइल हब को नई गति मिलेगी। एमएसएमई के लिए आत्मनिर्भर गुजरात योजना के अंतर्गत व्यापक सहायता से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना से वैश्विक बाजार में राज्य की उपस्थिति और सशक्त होगी।

धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2026 को पर्यटन वर्ष घोषित करना अत्यंत दूरदर्शी निर्णय है। सोमनाथ मंदिर को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की पहल, साथ ही अंबाजी मंदिर, गिरनार पर्वत और लोथल जैसे स्थलों के विकास की योजनाएं सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदलने का प्रयास हैं। इससे स्थानीय रोजगार, होटल उद्योग और परिवहन क्षेत्र को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

शहरी विकास में 17 प्रतिशत की वृद्धि कर नगरपालिकाओं और महानगरों को सुदृढ़ आधार प्रदान किया गया है। पांच नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की घोषणा संतुलित शहरीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। स्मार्ट पार्किंग, दैनिक जलापूर्ति और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार शहरों को आधुनिक स्वरूप देगा। सूत मेट्रो लाइन-2 के विस्तार के लिए आवंटित राशि से शहर को हार्ड-स्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इससे मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को समय व लागत की बचत होगी।



दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी समझ और सद्भावना पर जोर देने के हर साल 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस

(World Peace and

Understanding Day) मनाया

जाता है। इस दिवस को मनाने का

उद्देश्य दुनिया में प्रेम-भाईचारा और

शांति को बनाए रखना है।

अविश्वास समाज को गलतफहमी,

विद्रोह, लड़ाई और संघर्ष की ओर

ले जाता है। समाज में एकजुटता की

भावना को बनाए रखने के लिए

शांति और समझ होना बेहद

आवश्यक है। इसलिए हिंसा से

रहित दुनिया में शांति लाने के

उद्देश्य के लिए हर साल इस दिवस

को मनाया जाता है। इस दिवस पर

दुनिया भर के देशों में कई कार्यक्रम

आयोजित किए जाते हैं। : वरल्ड

अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे हर साल

23 फरवरी को मनाया जाता है। यह

रोटरी मेंबर्स द्वारा की गई पहली

मीटिंग की एनिवर्सरी मनाने के लिए

मनाया जाता है। हर साल 23

फरवरी को वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड

पीस डे मनाया जाता है।

आज शांति और समझ दिवस की आवश्यकता

रंजय गोटेवामी

(विश्व शांति और समझ दिवस 23

फरवरी 26 पर विशेष)

असल में, यह दिन रोटी इंटरनेशनल के पहले कन्वेंशन को याद करने के लिए है। बिजनेसमैन की यह मीटिंग ऐसी जगह पर होनी थी जहाँ उनके बैकग्राउंड से कोई फर्क न पड़े, जिससे कई डेवलपमेंट हुए और आखिरकार रोटी इंटरनेशनल बना। रोटी इंटरनेशनल की शुरुआत शिकागो, इलिनोइस में हुई थी, और यह एक ऐसा संगठन है जो इंसायनियत की सेवा, दुनिया में शांति और अच्छी भावना के लिए काम करता है। पॉल हैरिस, गुस्तावस लोहर, सिस्लेस्टर शिएल और हीराम शोरी 23 फरवरी, 1905 को शिकागो शहर में यूनिटी बिल्डिंग के कमरा 711 में इकट्ठा हुए। यह रोटी क्लब की पहली मीटिंग थी। उन्होंने मीटिंग की जगह बदलने के चयन के बाद नए क्लब का नाम 'रोटी' रखने का फैसला किया। वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे का इतिहास रोटी इंटरनेशनल की स्थापना के लिए हुई पहली मीटिंग को वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे के तौर पर याद किया जाता है। पॉल पी. हैरिस, एक वकील, ने शिकागो में अपने बिजनेस एसोसिएट्स की एक मीटिंग ऑर्गनाइज की थी। उन्होंने पॉलिटेकल और धार्मिक पाबंदियों से आजाद बिजनेसमैन का एक ग्रुप इकट्ठा करने की कोशिश की। अपनी जगह रोटी क्लब और फिर रोटी इंटरनेशनल कर दिया गया। दुनिया भर की आठ यूनिवर्सिटीज में, रोटी इंटरनेशनल ने शांति और संघर्ष में इंटरनेशनल स्टडीज के लिए रोटी सेंटर्स बनाए हैं। रिजॉल्यूशन। कपनी रोटी पीस एंड कॉन्सिल्टेंट रिजॉल्यूशन प्रोग्राम नाम का एक प्रोजेक्ट स्टडीज प्रोग्राम भी देती है, जिसके लिए हर साल 75 स्कॉलर्स चुने जाते हैं। हम वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे में उस बदलाव में योगदान देना चाहते हैं जो ग्लोबल लेवल पर तालमेल और समझ को बढ़ावा दे। उम्मीद है, इसका नतीजा युद्धों का खतम होना होगा।

दुनिया भर में, रोटी इंटरनेशनल शांति को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। यह एक जरूरी जगह है जहाँ लोग ज्ञान पा सकते हैं और शांति को आगे बढ़ा सकते हैं। यह जानना कि हममें से हर कोई दुनिया की शांति में कैसे योगदान दे सकता है, रोटी के वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे से मिला एक शानदार मौका है। विश्व शांति और समझ दिवस के उद्देश्य हिंसा या क्रूरता से रहित दुनिया के निर्माण व विश्व में शांति लाने के उद्देश्य के लिए इस दिवस को मनाया जाता है।

दुनिया में शांति और समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है।

इसके लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके विपरीत यदि, पूरी दुनिया के लोग एक दूसरे को घृणा और नफरत की दृष्टि से देखेंगे तो उसका परिणाम युद्ध और विनाश के रूप में सामने आएगा। संघर्ष, अविश्वास, गलतफहमी और विद्रोह समाज को बांटता है और उसे एक अन्नत संघर्ष की खाई में धकेल देता है। इसलिए समाज में विश्वास और शांति स्थापित करने के लिए सभी मनुष्यों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में कार्य करना होगा। विश्व शांति और समझ दिवस का इतिहास विश्व में शांति और समझ की भावना विकसित करने को लेकर

हैरिस, गुस्तावस लोहर, सिस्लेस्टर शिएल और हीराम शोरी 23 फरवरी, 1905 को शिकागो शहर में यूनिटी बिल्डिंग के कमरा 711 में इकट्ठा हुए। यह रोटी क्लब की पहली मीटिंग थी। उन्होंने मीटिंग की जगह बदलने के चयन के बाद नए क्लब का नाम 'रोटी' रखने का फैसला किया। वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे का इतिहास रोटी इंटरनेशनल की स्थापना के लिए हुई पहली मीटिंग को वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे के तौर पर याद किया जाता है। पॉल पी. हैरिस, एक वकील, ने शिकागो में अपने बिजनेस एसोसिएट्स की एक मीटिंग ऑर्गनाइज की थी। उन्होंने पॉलिटेकल और धार्मिक पाबंदियों से आजाद बिजनेसमैन का एक ग्रुप इकट्ठा करने की कोशिश की। अपनी जगह रोटी क्लब और फिर रोटी इंटरनेशनल कर दिया गया। दुनिया भर की आठ यूनिवर्सिटीज में, रोटी इंटरनेशनल ने शांति और संघर्ष में इंटरनेशनल स्टडीज के लिए रोटी सेंटर्स बनाए हैं। रिजॉल्यूशन। कपनी रोटी पीस एंड कॉन्सिल्टेंट रिजॉल्यूशन प्रोग्राम नाम का एक प्रोजेक्ट स्टडीज प्रोग्राम भी देती है, जिसके लिए हर साल 75 स्कॉलर्स चुने जाते हैं। हम वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे में उस बदलाव में योगदान देना चाहते हैं जो ग्लोबल लेवल पर तालमेल और समझ को बढ़ावा दे। उम्मीद है, इसका नतीजा युद्धों का खतम होना होगा।

दुनिया भर में, रोटी इंटरनेशनल शांति को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। यह एक जरूरी जगह है जहाँ लोग ज्ञान पा सकते हैं और शांति को आगे बढ़ा सकते हैं। यह जानना कि हममें से हर कोई दुनिया की शांति में कैसे योगदान दे सकता है, रोटी के वरल्ड अंडरस्टैंडिंग एंड पीस डे से मिला एक शानदार मौका है। विश्व शांति और समझ दिवस के उद्देश्य हिंसा या क्रूरता से रहित दुनिया के निर्माण व विश्व में शांति लाने के उद्देश्य के लिए इस दिवस को मनाया जाता है।

दुनिया में शांति और समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है।

इसलिए जरूरी है विश्व शांति और समझ की ओर विकास में नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है और इस ओर सभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी

देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्र-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है विश्व जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दूसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों को मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडा रहे हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तव्य व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रों का भंडार है अतः आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से उड्डिशान फूल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडिएशन की मार से कैफ़र, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में विश्व खरीदने को होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएइस कारण नित नये-नये धाकड़ अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण समूहों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा वक़्त तय करना है। विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व दुनिया भर के लोगों के बीच शांति और सामान्य समझ को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिवस पर दुनिया में शांति और समझ विकसित करने के लिए प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। दुनिया भर में लोगों और राष्ट्रों के बीच शांति और संघर्षों के बीच प्रचलित गलतफहमी को देखते हुए इस दिवस का महत्व और बढ़ जाता है।

आज परमाणु युद्ध का माहौल बन रहा है इसलिए जरूरी है विश्व शांति और समझ की विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास में नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है और इस ओर सभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी

देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्र-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है विश्व जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दूसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों को मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडा रहे हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तव्य व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रों का भंडार है अतः आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से उड्डिशान फूल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडिएशन की मार से कैफ़र, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में विश्व खरीदने को होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएइस कारण नित नये-नये धाकड़ अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण समूहों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा वक़्त तय करना है। विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व दुनिया भर के लोगों के बीच शांति और सामान्य समझ को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिवस पर दुनिया में शांति और समझ विकसित करने के लिए प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। दुनिया भर में लोगों और राष्ट्रों के बीच शांति और संघर्षों के बीच प्रचलित गलतफहमी को देखते हुए इस दिवस का महत्व और बढ़ जाता है।

आज परमाणु युद्ध का माहौल बन रहा है इसलिए जरूरी है विश्व शांति और समझ की विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास में नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है और इस ओर सभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी

देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्र-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है विश्व जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दूसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों को मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडा रहे हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तव्य व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रों का भंडार है अतः आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से उड्डिशान फूल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडिएशन की मार से कैफ़र, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में विश्व खरीदने को होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएइस कारण नित नये-नये धाकड़ अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण समूहों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा वक़्त तय करना है। विश्व शांति और समझ दिवस का महत्व दुनिया भर के लोगों के बीच शांति और सामान्य समझ को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिवस पर दुनिया में शांति और समझ विकसित करने के लिए प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। दुनिया भर में लोगों और राष्ट्रों के बीच शांति और संघर्षों के बीच प्रचलित गलतफहमी को देखते हुए इस दिवस का महत्व और बढ़ जाता है।

आज परमाणु युद्ध का माहौल बन रहा है इसलिए जरूरी है विश्व शांति और समझ की विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास में नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है और इस ओर सभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी

देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्र-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है विश्व जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दूसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 6 महीने से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों को मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडा रहे हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तव्य व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रों का भंडार है अतः आज विश्व में परमाणु हमले का खतरा मंडा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से उड्डिशान फूल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडिएशन की मार से कैफ़र, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में विश्व खरीदने को होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएइस कारण नित नये-नये धाकड़ अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है

मंत्री के लंबे भाषण पर गुस्सा लोगों ने की हूटिंग

‘पाकिस्तान की जय’ कहने वाले ने माफी मांगी, कमिश्नर ने महापौर को बताया ‘अक्षम’



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजनीति, नौकरशाही और अन्य घटनाओं पर चुटौती और खरी बात का वीडियो देखने के लिए ऊपर क्लिक करें। इन खबरों को आप पढ़ भी सकते हैं। 'बात खरी है' मंगलवार से रविवार तक हर सुबह 6 बजे से दैनिक भास्कर एप पर मिलेगा मंत्री धर्मेश सिंह लोधी के भाषण के दौरान हूटिंग



मंच, माइक और सामने बैठी पब्लिक मिल जाए, तो नेता भला कहाँ रुकते हैं। अपना सारा ज्ञान उड़ेल देना जरूरी हो जाता है सामने बैठे लोग रुचि ले रहे हैं या नहीं, इसकी परवाह किसे है बस अपनी बात पूरी होनी चाहिए। खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में भी

कुछ ऐसा ही देखने को मिला, लेकिन यहाँ नेता जी का दांव उल्टा पड़ गया। उद्घाटन समारोह के दौरान पर्यटन मंत्री धर्मेश सिंह लोधी का भाषण इतना लंबा खिंच गया कि लोगों का धैर्य जवाब दे गया मंच पर मंत्री भाषण दे रहे थे और सामने बैठी पब्लिक हूटिंग

करने लगी भाषण खत्म करने की आवाजे उठने लगीं कुछ लोगों ने तो 'गो बैक' के नारे भी लगा दिए। इतना होने के बाद भी मंत्री नहीं रुके शोर-शराबे के बीच उन्होंने कहा- मैं बस चार पंक्तियाँ कहकर अपनी बात खत्म करूँगा। इसके बाद उन्होंने वे चार पंक्तियाँ

भी सुनाई।

गौरतलब है कि मंत्रों से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सांसद वीडी शर्मा का भाषण भी हो चुका था देश और विदेश से आए पर्यटकों का साफ कहना था कि वे यहां नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देखने आए हैं, नेताओं के भाषण सुनने नहीं। खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में मंत्री धर्मेश सिंह लोधी के भाषण के दौरान हूटिंग होने लगी। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता युवा मोर्चा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। भोपाल से लेकर इंदौर तक हालात बेकाबू नजर आए और पूरे प्रदेश में बवाल जैसी स्थिति बन गई। जगह-जगह पत्थर चले, धक्का-मुक्की और झुमाझटकी हुई, जिसमें दोनों दलों के कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

एलिवेटेड रोड के लिए फूलबाग-गुरुद्वारा मार्ग बंद, डायवर्टेड रास्तों पर घंटों फंसे रहे वाहन



मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के तहत फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक का मार्ग एक महीने के लिए बंद कर दिया गया है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। मार्ग बंद होने के पहले ही दिन डायवर्ट किए गए रास्तों पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शहर के सभी यातायात थानों के प्रभारियों को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह मार्ग एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत बंद किया गया है। फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक बने पिलर्स पर गाटर रखने

का काम शुरू होना है। निर्माण एजेंसी की मांग पर स्थानीय प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने चर्चा के बाद यह रूट एक महीने के लिए बंद करने का फैसला किया।

पहले दिन ही डायवर्टेड रूट्स पर लगभग 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया जिससे ट्रैफिक डीएसपी सहित सिटी क्षेत्र के तीन ट्रैफिक थाना प्रभारियों को व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। बात करते हुए ऑटो चालक अभिमान्यु ने बताया कि रोड बंद होने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है जाम में दो-तीन घंटे फंसे रहने के कारण उनकी

दैनिक आय प्रभावित हो रही है और ऑटो की किस्में निकालना भी मुश्किल हो गया है। ट्रैफिक डीएसपी अजीत सिंह चौहान ने जानकारी दी कि फूलबाग चौराहा से गुरुद्वारा तक दोनों ओर का ट्रैफिक एक महीने के लिए बंद रहेगा शिंदे की छावनी से फूलबाग की ओर जाने वाले वाहनों को नौगडा रोड से डायवर्ट किया गया है। वहीं, स्टेशन की ओर से आने वाले ट्रैफिक को जलविहार के सामने से नदी गई की ओर मोड़ा गया है उन्होंने बताया कि शुरूआती दिनों में लोगों को डायवर्टेड रूट पर जाम से बचाने के लिए उचित डायवर्टन बोर्ड, बैरिकेड्स और पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस बल तैनात किया जाएगा। शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव से एलिवेटेड रोड काफी राहत देने वाला है लेकिन इसके निर्माण के पूरे होने तक शहरवासियों के साथ पर्यटक, व्यापारियों को फिलहाल परेशानी का सामना करना ही पड़ेगा।

सरपंच पुत्र की हत्या: पावर हाउस जमीन विवाद में धारदार हथियारों से हमला

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के मायापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुहासा में रविवार सुबह मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। वर्तमान सरपंच राजेंद्र सिंह यादव के बेटे युधिष्ठिर यादव की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पंचायत की सरकारी जमीन को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश इस वारदात की बड़ी वजह हो सकती है। मृतक के परिजन शिवपाल यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत में बिजली पावर हाउस निर्माण प्रस्तावित था जिसके लिए शासकीय जमीन की आवश्यकता थी। आरोप है कि जिस सरकारी जमीन पर कसान यादव का कब्जा था, उसे पावर हाउस निर्माण के लिए उपलब्ध कराने की अनुरोधों पर सरपंच राजेंद्र सिंह यादव ने लिखित रूप में की थी। बताया जा रहा

है कि इसी बात को लेकर कसान यादव और उसके बेटों ने सरपंच परिवार से रंजिश पाल ली थी। यह रंजिश रविवार को हुए विवाद में खुलकर सामने आ गई। सरपंच राजेंद्र सिंह यादव (62) के मुताबिक रविवार सुबह की सुबह करीब 8:30 बजे वे अपने बेटे युधिष्ठिर यादव के साथ आदिवासी मोहल्ला पुरवा सिमला में मजदूर लेने गए थे। दोनों ने वीरन आदिवासी के घर के सामने मोटरसाइकिल खड़ी की और मजदूरों से बातचीत करने लगे। इसी दौरान गांव का धर्मेश यादव ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा और रोड पर मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने कथित तौर पर ट्रैक्टर बाइक पर चढ़ा दिया, जिससे मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई इसके बाद धर्मेश यादव ने अपने पिता कसान यादव, भाई सतेन्द्र यादव और मां कमला बाई यादव को मौके पर बुला लिया।

पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स...सूचना पर 2 मिनट में पहुंची, युवती के फांसी का फंदा लगाते ही दरवाजा तोड़ा; टीआई ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया हालत नाजुक

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स सामने आया है बहोड़ापुर क्षेत्र के सदाशिव नगर में शनिवार सुबह एक युवती ने पारिवारिक विवाद के बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगाने की तैयारी करने लगी। परिजनों ने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी सूचना मिलते ही महज दो मिनट के भीतर एफआरवी (फस्ट रिस्पॉन्स व्हीकल) और बहोड़ापुर टीआई आलोक परिवार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जब पुलिस ने दरवाजा खोला, तब युवती गले में फंदा डाल चुकी थी। पुलिस ने तत्काल दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और अस्पताल भिजवाया पुलिस की तत्परता से युवती की जान तो बच गई, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल वह बेहोश है। घटना शनिवार सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। मामले का एक



वीडियो भी सामने आया है। **पुलिस पहुंची तो फंदा तैयार कर रही थी युवती:** ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित सदाशिव नगर की रहने वाली 20 वर्षीय युवती बीए की छात्रा है रविवार सुबह किसी बात पर नाराज होकर वह परिजनों को धमकी देते हुए अपने कमरे में चली गई और अंदर से गेट बंद कर लिया अस्पताल भिजवाया पुलिस की तत्परता से युवती की जान तो बच गई, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल वह बेहोश है। घटना शनिवार सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। मामले का एक

दरवाजा तोड़ा। पुलिस ने युवती के पैर पकड़कर उसे संभाला, वहीं अन्य जवानों ने फंदा काटकर उसे नीचे उतारा। हालांकि तब तक युवती बेहोश हो चुकी थी। उसे तत्काल इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे आगे उपचार के लिए 1000 बिस्तर अस्पताल रेफर कर दिया गया। **फिलहाल युवती की स्थिति गंभीर बनी हुई है:** युवती फिलहाल बेहोश है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस का कहना है कि उसके हाथ में आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि उसने किन कारणों से आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया था दर होती तो जा सकती थी जान डक्टरों के अनुसार समय रहते युवती को फंदे से उतार लिया गया, इसी वजह से उसकी जान बच सकी। डॉक्टरों का कहना है कि यदि उसे इंटका लग जाता तो गर्दन की हड्डी टूट सकती थी।

आरक्षक से अभद्रता पर आरोपियों का जुलूस: कान पकड़कर थाने से कोर्ट तक पैदल घुमाया



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में पुलिस आरक्षक से अभद्रता करने वाले दो आरोपियों का जुलूस निकाला देहात थाना पुलिस दोनों आरोपियों को कान पकड़कर माफनी मंगावाते हुए थाना परिसर से न्यायालय तक पैदल ले गई यह घटना झांसी तिराहा स्थित शराब की दुकान के पास हुई थी। जुलूस के दौरान, दोनों आरोपी कान पकड़कर 'अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है' कहते हुए चल रहे थे उन्हें थाना परिसर से झांसी तिराहा और गुरुद्वारा मार्ग होते हुए कोर्ट तक ले जाया गया रास्ते भर यह नारा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा रही। यह मामला शनिवार को झांसी तिराहा स्थित शराब की दुकान के

पास हुआ था। झगड़े के दौरान बीचबचाव करने पहुंचे आरक्षक राहुल चौहान से आरोपियों ने गालीगलौज और धक्कामुक्की की थी। एक आरोपी ने कड़े से चार करने की कोशिश करते हुए कहा था कि 'हाथ नहीं, हथौड़ा है...' और आरक्षक की वर्दी पकड़कर बटन तोड़ दिया था इस मामले में आरोपियों की पहचान लक्ष्मण सरदार और छोटू परिवार के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है देहात थाना प्रभारी ने बताया कि विधिभंग करवाई कोर्टे हुए दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया गया है। मामले में जागू की कानूनी कार्रवाई जारी है।

‘फौजी’ की सच्चाई जानकर युवती ने लगा ली फांसी, अपनी मौत के लिए पति और ससुराल वालों को ठहराया जिम्मेदार



मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में एक युवती ने अपने प्यार के लिए पूरे परिवार से लड़कर लव मैरिज की। वह खुश थी कि उसका पति फौज में है लेकिन शादी के बाद जैसे-जैसे सच्चाई सामने आती गई, उसके पैरों तले जमीन खिसकती चली गई शादी के बाद पता चला कि पति रिटायर हो चुका है। वह पहले से शादीशुदा है। उसके दो बच्चे हैं। जब इसका विरोध किया तो उससे मारपीट की गई। उसके परिजन और उसकी पहली पत्नी ने भी पीट और धमकाया युवती



पति के धोखे से इस कदर टूट गई कि उसने 12 फरवरी को आत्महत्या कर ली। मौत से पहले उसने एक वीडियो अपलोड किया, जो अब वायरल हो रहा है। युवती ने अपनी मौत के लिए पति और ससुराल वालों को जिम्मेदार ठहराया है उसने कहा- 'मेरी मौत के लिए मेरा पति और उसके परिजन जिम्मेदार हैं। युवती के परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। यह सब देहेज के लिए किया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुरानी छावनी निवासी राजू उर्फ

सत्यनाथयण भदौरिया से टूंसपोर्ट नगर जोडीए कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय वैष्णवी उर्फ प्राची सिंह की मुलाकात कम रोचक नहीं थी करीब एक साल पहले बहोड़ापुर में एक मोड़ पर दोनों की स्कूटी आमने-सामने आ गई यहाँ दोनों ने पहली बार एक-दूसरे को देखा और बातचीत होने लगी इस दौरान राजू ने खुद को सेना में पदस्थ जवान बताया। बहुत ही कम समय में दोनों ने एक-दूसरे के साथ जिंदगी बिताने की ठान ली। राजू की उम्र 37 साल थी, लेकिन उसने यह बात छिपा ली। सेना से

रिटायर्ड, शादीशुदा और 2 बच्चों का पिता होने की बात भी नहीं बताई।

6 महीने पहले नोटरी पर कर ली लव मैरिज: जब प्राची ने परिवार वालों को राजू के बारे में बताया तो वे शादी के लिए राजी नहीं हुए। प्राची ने सभी से लड़-झगड़कर 6 महीने पहले मंदिर में शादी कर ली। फिर नोटरी पर भी शादी की, लेकिन पति उसे सीधे घर लेकर नहीं गया। उसने कहा कि मेरे घर में सभी नाराज हैं। इसके बाद वह प्राची को लेकर सिराल स्थित ईस्ट मेरिडियन टाउनशिप में किराए के फ्लैट रहने लगी।

हर मोड़ पर मिला धोखा, डिप्रेशन में जाने लगी: कुछ समय बाद प्राची को पता चला कि उसका पति फौजी नहीं है। वह रिटायर्ड है उसने सोचा, चलो कोई बात नहीं। कुछ दिन बीते थे कि फिर सामने आया कि पति पहले से शादीशुदा है।

प्रीलिम्स एग्जाम...पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी के काव्य पर पूछे सवाल

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा के जनरल स्टडी के प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, साहित्य और इतिहास से संबंधित कई प्रश्न पूछे गए इनमें पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी के काव्य संग्रह 'पर्रा भर लाई', पं. लोचन प्रसाद पांडेय के लेखों, उर्वा जनजाति के सहल ल्योहार, खारून नदी और मल्हार के बीस दुअरिया मंदिर जैसे विषय शामिल थे। यह परीक्षा 238 पदों के लिए बिलासपुर और आसपास के 66 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षार्थियों के अनुसार, सीजीपीएससी परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत सरल था। हालांकि, 200 अंकों के इस प्रश्नपत्र में औद्योगिक क्षेत्र से सर्वाधिक प्रश्न पूछे गए थे आयोग के सख्त निर्देशों से अर्थवर्षी परेशान आयोग द्वारा जारी सख्त दिशा-निर्देशों के कारण परीक्षार्थियों को कुछ असुविधा

हुई। इन नियमों में ड्रेस कोड, प्रवेश से पहले मेटल डिटेक्टर से जांच, मैनुअल फ्रिक्किंग और प्रवेश पर दिखाते हुए वीडियो कैप्चर कराना शामिल था जनरल स्टडी के प्रश्नपत्र में अंचल की कला, संस्कृति, पुरातत्व, इतिहास और बजट योजनाओं से जुड़े सवालों के साथ-साथ 'रायपुर षड्यंत्र केस' की योजना से संबंधित प्रश्न भी शामिल थे। छत्तीसगढ़ी में चंद्रमा की स्थिति पर प्रचलित हाना 'छक्रा गरू छरत जाए, करिया गरू सूतत जाए' भी पूछा गया, जिससे परीक्षार्थियों का ध्यान रखा अन्य रोचक प्रश्नों में कन्हार के कोटली जलप्रपात, मल्हार के बीस दुअरिया मंदिर, बेगार प्रथा के खिलाफ छत्तीसगढ़ में हुआ पहला आंदोलन, उर्वा जाति का सरहल ल्योहार, घोटुल के सामूहिक मनोरंजन गीत कक्सर और मराठ शासनकाल में हलों की संख्या के आधार पर प्रचलित कर प्रणाली आदि पर आधारित सवाल थे।

नवआरक्षक पीपीटी परीक्षा 23 फरवरी से, मैदान पर 5500 उम्मीदवार होंगे शामिल

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। नवआरक्षकों की शारीरिक प्रवीणता परीक्षा (पीपीटी) 23 फरवरी से शुरू होगी। यह परीक्षा 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर आयोजित की जाएगी। इसमें करीब 5,500 उम्मीदवार शामिल होंगे। परीक्षा प्रक्रिया 14 मार्च तक चलेगी और प्रतिदिन लगभग 400 उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाएगी यह भर्ती प्रक्रिया प्रदेश में नवआरक्षकों के करीब 7,500 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। लिखित परीक्षा के बाद अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा कराई जा रही है।

300 जवान और अधिकारी तैनात किए गए: परीक्षा के लिए एसएएफ के करीब 300 पुलिस जवान और अधिकारियों को तैनात किया गया है ये जवान उम्मीदवारों की दौड़, गोला फेंक और लंबी कूद की प्रक्रिया कराएंगे परीक्षा की निगरानी के लिए सीसीटीवी

कैमरे लगाए गए हैं परीक्षा के संचालन के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसके अध्यक्ष डीआईजी अमित सांधी हैं। उनकी निगरानी में पूरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर टेंट, लाइट, सीसीटीवी कैमरे और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कमांडेंट संजीव सिन्हा ने मौके का निरीक्षण कर तैनात अधिकारियों और जवानों को आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा शुरू होने से पहले रविवार को एसएएफ मैदान पर रिहर्सल कराई जाएगी। इसमें एसएएफ जवानों को उम्मीदवार बनाकर पूरी प्रक्रिया का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान डीआईजी अमित सांधी और अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। 800 मीटर दौड़ सहित तीन चरणों में होगी परीक्षा।

भोपाल-इटारसी के बीच चलेगी मेमू ट्रेन, रोजाना अप-डाउन करने वाले यात्रियों को मिलेगा फायदा विधानसभा में प्रस्ताव पारित

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा में भोपाल, नर्मदापुरम और इटारसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने का संकल्प प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है इस मेमू ट्रेन के शुरू होने से इन शहरों के बीच रोजाना अप-डाउन करने वाले हजारों यात्रियों और छात्रों को बड़ा फायदा मिलेगा वर्तमान में इस प्रस्ताव को विधानसभा से स्वीकृत कर लिया गया है और अंतिम मंजूरी के लिए इसे केंद्र शासन को भेजा जाएगा। विधानसभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉक्टर



सीताशरण शर्मा ने भोपाल और इटारसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनों में जनरल बोगियों की कमी के कारण रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए इस रूट पर लोकल

यात्रियों के लिए अलग ट्रेन शुरू की जानी चाहिए।

विधायक ने कहा- जनरल बोगी कम हो रही है, इसलिए मेमू जरूरी: विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा ने विधानसभा में अपनी बात रखते हुए कहा, 'इटारसी-भोपाल के मध्य मेमो ट्रेन प्रारंभ की जाए। मेमू ट्रेन की जरूरत है। नर्मदापुरम और इटारसी से रोजाना 5 हजार से अधिक लोग और छात्र भोपाल तक यात्रा करते हैं। ट्रेन में लगातार स्लीपर बोगी की संख्या बढ़ रही है और जनरल बोगी की संख्या कम हो रही है।

दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर के कांग्रेस नेता को किया गिरफ्तार, समिट के दौरान हुए विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के शक में गिरफ्तारी

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को ग्वालियर से यूथ कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया है। उसे दिल्ली ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार नेता दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल था। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि इस तरह के प्रदर्शन से देश की छवि खराब करने का प्रयास किया गया दरअसल, दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट कार्यक्रम के दौरान यूथ कांग्रेस



के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था कार्यक्रम के फुटेज के आधार पर पुलिस प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं को पहचान कर कार्रवाई कर रही है पुलिस को शक है कि ग्वालियर के यूनियनसिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल थे इसी आधार पर दिल्ली से आई पुलिस टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और दिल्ली रवाना हो गई वहीं, स्थानीय पुलिस के अधिकारी फिलहाल कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड को मिली मायूसी



कोलंबो, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 का पहला मैच बारिश की वजह से कोलंबो में खेला ही नहीं जा सका। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी। इस मैच के बाद ग्रुप बी की अंकतालिका कुछ इस तरह से है। वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कोलंबो में खेला गया, लेकिन बारिश की वजह से इस मैच को रद्द कर दिया गया। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन

इसके बाद भारी बारिश की वजह से एक भी गेंद नहीं फेंका जा सका। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अगर ये मुकाबला खेला जाता तो जिस भी टीम को जीत मिलती उसे 2 अंक प्राप्त होते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक का बंटवारा कर दिया गया। यानी एक एक-एक अंक के साथ दोनों टीमों का खाता एक साथ ही खुल पाया। सुपर 8 में भारतीय टीम का पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को खेला जाएगा।



बारिश के कारण मैच हुआ रद्द, दोनों को 1-1 अंक

साल दर साल जी रहा हूं, दिसंबर 2026 तक संन्यास ले सकता हूं: नेमार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार का करियर चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। इंजरी से परेशान नेमार फुटबॉल को अलविदा कहने की सोच रहे हैं। नेमार ने शुरुआत को ब्राजील के ऑनलाइन चैनल केज पर फुटबॉल से संन्यास लेने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि अब से क्या होगा। मुझे अगले साल के बारे में भी नहीं पता। हो सकता है कि जब दिसंबर आए, तो मैं रिटायर होना चाहूँ। मैं अब साल दर साल जी रहा हूँ।' नेमार ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप का साल है। इसलिए बहुत जरूरी है। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ मेरे लिए भी।' 34 साल के हो चुके नेमार ने पिछले महीने अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अपने अनुबंध का नवीनीकरण किया था। नेमार जनवरी 2025 में सैंटोस लौटे और टीम को ब्राजील की टॉप टीम बने रहने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए। नेमार की हाल ही में घुटने की सफल सर्जरी हुई थी। वह बार-बार होने वाली चोटों से जूझ रहे



हैं। इंजरी ने उनके करियर पर असर डाला है। ब्राजील के लिए अब तक के सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। इससे आने वाले फुटबॉल विश्व कप में भी उनके खेलने पर सवाल है। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एसेलोटी ने पिछले साल बार-बार कहा है कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ पूरी तरह से फिट खिलाड़ियों पर ही विचार किया जाएगा। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स में खेला जाना है। नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की फुटबॉल टीम के लिए खेलना शुरू किया था। उस समय उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा था। कई मौकों पर नेमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई थी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके कई महत्वपूर्ण साल खराब किए और इस दौरान उनसे जूनियर रहे खिलाड़ी काफी आगे निकल गए।

संजू को नेट्स में अभिषेक शर्मा ने कराई गेंदबाजी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है मौका

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में उतरेगी। ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। भारतीय टीम इस समस्या के समाधान के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बार फिर संजू सैमसन को मौका दे सकती है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा प्रचंड फॉर्म में चल रहे थे। वह टी20 की रैंकिंग में अभी भी नंबर वन बल्लेबाज हैं। विश्व कप में अभिषेक की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। वह अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। उनकी असफलता ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी है। लगातार असफलता के शिकार अभिषेक शर्मा का आत्मविश्वास डगमगाया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम एक बार फिर से अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ ओपनिंग जोड़ीदार बना सकती है। शुक्रवार की शाम को कृत्रिम रोशनी में आयोजित अभ्यास सत्र में संजू सैमसन को लंबे समय तक बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए देखा गया। सैमसन ने तेज गेंदबाजी और स्पिनर दोनों के खिलाफ लंबे समय तक बल्लेबाजी की और इस दौरान अच्छे टच में दिखे। हेड कोच गौतम गंभीर ने अभिषेक शर्मा से अभ्यास सत्र के दौरान लंबी बातचीत की। इसके बाद वह सैमसन को गेंदबाजी करते हुए नजर आए। इसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि सैमसन अगले मैच में भारतीय प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। भारतीय टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या भी ज्यादा है, जिसका फायदा विपक्षी टीमों को हो रहा है। इस वजह से भी सैमसन को मौका दिया जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ विश्व कप में एकमात्र मैच खेलने वाले सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 मैचों में 2 शतक की बदौलत 190 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 253 रन बनाए हैं।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट'

45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैस के सामने खलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।' पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। 45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बैसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एप और फास्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पार्टनर लेयला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप: सुपर-8, संडे को दो धमाकेदार मुकाबले

भारत के सामने साउथ अफ्रीका तो इंग्लैंड को मिलेगी श्रीलंका से चुनौती

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। संडे को सुपर 8 को दो मैच बैक-टू-बैक खेले जाएंगे। पहला मैच इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच जबकि दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका को बीच होगा।



नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 में संडे यानी रविवार को दो मैच खेले जाएंगे जिसमें इंग्लैंड के सामने श्रीलंका की चुनौती होगी जबकि भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरना है। एक ही दिन में दो मैच होने की वजह से इसकी आखिर क्या टाइमिंग होगी आइए इसके बारे में जानते हैं।

दोपहर 3.00 बजे से खेला जाएगा इंग्लैंड-श्रीलंका मैच- संडे यानी रविवार के दिन सुपर 8 का पहला मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका (ग्रुप बी) के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3.00 बजे से होगी जबकि टॉस दोपहर 2.30 पर किया जाएगा। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच ये मैच पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम, पल्लेकेले में खेला जाएगा।

भारत-साउथ अफ्रीका मैच की शुरुआत शाम 7.00 बजे से होगी- रविवार के दिन सुपर 8 का दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक शाम 7.00 बजे से होगी जबकि टॉस का वक्त शाम 6.30 बजे का होगा। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच ये मैच नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन

एडिलेड, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में शनिवार को खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कोर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं। शनिवार को एडिलेड में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुने हुए भारत ने 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। भारत ने 19 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (7) का विकेट गंवा दिया



था। यहां से जेमिमा ने स्मृति मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 गेंदों में 121 रन की साझेदारी करते हुए पारी को संभाला। मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद शेफाली ने ऋचा घोष के साथ तीसरे विकेट के लिए 14 गेंदों में 28 रन जुटाते हुए टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचाया। ऋचा घोष 7 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 18 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा ने 59 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि किम गार्थ और सोफी मोलिन्युक्स ने 1-1 विकेट निकाला। भारत ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 21 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अगले मैच को 19 रन से जीता। ऐसे में सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है।

फ्लॉयड मेवेदर पेशेवर मुक्केबाजी में कर सकते हैं वापसी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर से पेशेवर मुक्केबाजी रिंग में वापसी के संकेत दिए हैं। पूर्व विश्व चैंपियन ने कहा है कि वह आधिकारिक पेशेवर फाइटर लड़ने पर विचार कर रहे हैं। मेवेदर के बयान ने मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। मेवेदर ने 2017 में कॉर्नर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की और इसके तुरंत बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह मुक्केबाजी से दूर नहीं हुए। वह पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर और सेलिब्रिटीज के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबलों के लिए रिंग में उतरे हैं। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है। इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों मुक्केबाजों की कुल उम्र 100 वर्ष से अधिक होने के बावजूद, फैस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह है। मेवेदर ने बयान में कहा कि उनके इवेंट्स से अधिक गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ होने वाला इवेंट उनकी संभावित वापसी की दिशा में एक कदम हो सकता है। अगर यह वापसी आधिकारिक रूप लेती है, तो यह लगभग नौ साल बाद उनकी पहली पेशेवर फाइटर होगी। पांच अलग-अलग वेत डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के साथ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में क्या भविष्य होगा। हालांकि, मेवेदर के फैसले जरूर चाहिए कि वह रिंग में वापसी करें।

अभिषेक को किया बैक, सुंदर आउट

पूर्व भारतीय स्पिनर ने चुनी साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच के लिए भारतीय टीम को प्लेइंग 11 का चयन किया। भज्जी का मानना है कि टीम इंडिया को अपनी उसी प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरना चाहिए जो पहले मैच में यूएसए के खिलाफ खेली थी। भारत अपने पहले सुपर 8 मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में उतरेगा। हालांकि जसप्रीत बुमराह बीमार होने की वजह से यूएसए के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन बाद में उन्होंने तीनों लीग मैच में हिस्सा लिया था। हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन में एकमात्र बदलाव अक्षर पटेल के रूप में किया।

भारतीय टीम में एक बदलाव संभव

हरभजन सिंह ने स्टार स्पॉट्स पर कहा कि मुझे नहीं लगता है कि कोई ज्यादा बदलाव होगा, हां अक्षर पटेल जरूर खेलेंगे और उनकी वापसी होगी। आप वही टीम देखेंगे जो आपने यूएसए के खिलाफ पहले मैच में खेलते हुए देखी थी और वो बिल्कुल सही टीम थी। अक्षर आपकी टीम के उप-कप्तान हैं और वो एक प्रॉपर बॉलर हैं चाहते सामने कोई भी लेफ्ट हैंडर हो या फिर राइट हैंडर उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद से विकेट लेने की अपनी क्षमता की वजह से अहमदाबाद की पिच पर भारत के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद को रिविंग करते हैं और विकेट लेते हैं। आपको यहां उतने स्पिनरों की जरूरत नहीं है जितनी कोलंबो में थी। भज्जी ने ओपन करने के लिए अभिषेक शर्मा को सपोर्ट किया और कहा कि उन्हें इशान के साथ ओपन करना चाहिए।

माँ का आशीर्वाद और अपार जनस्नेह :

बगिया में आत्मीयता के साथ मना मुख्यमंत्री का जन्मदिन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस पर लखनपुर में विशेष पूजा-अर्चना, मंत्री राजेश अग्रवाल ने मरीजों को बांटे फल

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस के अवसर पर आज पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर स्थित मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश की सुख-समृद्धि, विकास और जनकल्याण के लिए विशेष प्रार्थना की गई। मंत्री अग्रवाल ने पूजा-अर्चना के उपरान्त लखनपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर भर्ती मरीजों से मुलाकात की। उन्होंने मरीजों का कुशलक्षेम जाना, उनका हालचाल पूछा तथा उन्हें फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं स्टाफ से भी चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास और सुशासन की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। हम सभी उनके जन्मदिवस पर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें, ताकि वे प्रदेश की जनता की सेवा इसी समर्पण भाव से करते रहें। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता निभाई तथा प्रदेश की निरंतर उन्नति और समृद्धि की कामना की।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान मतदाता सूची का किया गया अंतिम प्रकाशन

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के दिशा-निर्देशों एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलिओं का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आज जिला कलेक्टर के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के मायन्ता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची की एक-एक प्रतियां तथा फोटो रहित मतदाता सूची की पीडीएफ नि:शुल्क प्रदान की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राज्य भर में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुआ यह विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरी तरह मिशन मोड पर संचालित किया गया। इस व्यापक प्रक्रिया के दौरान जिले के 1,217 वीएलओ ने की मेहनत करते हुए घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया और कुल 9,14,669 मतदाताओं के मिलान एवं मैपिंग के कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

आधुनिकता और पारदर्शिता को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने 8,33,681 प्राप्त गणना फॉर्मों का पूर्णतः डिजिटलीकरण किया। सर्वेक्षण के दौरान मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरे प्रतीकरण वाले मतदाताओं की पहचान की गई और जिन मतदाताओं के गणना फॉर्म वापस नहीं मिले, उनकी पुष्टि के लिए राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ विशेष बैठकें आयोजित कर ऐसी सुविधियों को जिला निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट raigarh.gov.in पर भी सार्वजनिक किया गया। उन्होंने बताया कि प्रारूप ड्राफ्ट सूची के पहले जिले में 9,14,669 मतदाता थे।

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वां जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और परिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिन भर ताता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अपने जन्मदिवस को विशेष और



यादगार बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस विशेष अवसर पर बगिया स्थित राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम

का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उनकी माताजी जसमनी देवी, धर्मपत्नी कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ व्रत कथा का

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने निर्माणाधीन पुल के कार्य का किया औचक निरीक्षण

धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, ठेकेदार पर दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज अपने लोरमी प्रवास के दौरान ग्राम कारीडोंगरी और दरवाजा के मध्य मनियारी नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्य का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को बरसात से पहले हर हाल में पुल का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्य पूर्णता के लिए निर्धारित लक्ष्य से बहुत धीमा काम चलने पर नाराजगी जताते हुए कार्यस्थल पर श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुल का काम अब तक पूर्ण हो जाना चाहिए था, लेकिन निर्माण कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। साव ने मौके पर मौजूद अधिकारियों



को निर्देशित किया कि केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर ठेकेदार पर पेनाल्टी भी लगाएं। निर्माण में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी, गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

साव ने विभागीय अधिकारियों को पुल के काम की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने साइट पर मजदूरों की संख्या बढ़ाने

और निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा, ताकि बरसात के पहले पुल आवामान के लिए उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित परियोजना है, इसे समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करना शासन की प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मनियारी नदी पर पुल नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में वनांचल क्षेत्र के अनेक गांवों का संपर्क टूट जाता है।

51 फीट की दिव्य वनवासी श्रीराम की प्रतिमा ग्वालियर से रवाना

● मगवान श्रीराम के ननिहाल चंद्रखुरी में स्थापित होगी विराट प्रतिमा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। भगवान श्रीराम के ननिहाल के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित माता कौशल्या धाम, चंद्रखुरी में शीघ्र ही 51 फीट ऊँची वनवासी स्वरूप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह विशाल प्रतिमा मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर ग्वालियर से विधिवत रूप से रवाना हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा द्वारा इस प्रतिमा का निर्माण किया गया है। ग्वालियर स्थित सेंड स्टोन आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर में महोदयों की कठिन साधना और उत्कृष्ट शिल्प कौशल से तैयार यह प्रतिमा भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है।



वनवासी स्वरूप में प्रभु श्रीराम की दिव्य छवि यह प्रतिमा भगवान श्रीराम के वनवासी स्वरूप को दर्शाती है, जिसमें वे धनुष-बाण धारण किए, संयम, त्याग और मर्यादा के प्रतीक रूप में दिखाई देते हैं। प्रतिमा को विशेष रूप से मजबूत और टिकाऊ 'सेंड मिंट स्टोन' से निर्मित किया गया है, जो अपनी मजबूती और दीर्घायु के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के अंतर्गत पूर्व में भी दो भव्य प्रतिमाएं स्थापित कराई जा चुकी हैं। इनमें शिवरीनारायण मंदिर तथा सीता रसोई प्रमुख हैं। इन स्थलों पर स्थापित प्रतिमाओं को कलात्मकता और आकर्षण को देखते हुए ही 51 फीट ऊँची इस प्रतिमा का निर्माण कार्य दीपक विश्वकर्मा को सौंपा गया था।

● रामवनगमन पथ को मिलेगा नया आयाम: चंद्रखुरी को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है, जहाँ माता कौशल्या का मायाका स्थित है। यहाँ पहले से स्थापित श्रीराम प्रतिमा के स्थान पर अब यह नई विराट प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिससे यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी नई ऊँचाइयों को छूएगा। राज्य सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के तहत ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

● आस्था, कला और विकास का संगम: 51 फीट ऊँची यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक आस्था और शिल्प परंपरा का प्रतीक है। इसके स्थापित होते ही चंद्रखुरी देशभर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बन जाएगा।

श्रवण किया तथा ईश्वर से प्रदेश को सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगमन से पूर्व ही उनके गृहग्राम बगिया स्थित पहलुनावासे में उनसे मिलने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आम नागरिकों में मुख्यमंत्री से भेंट करने और उन्हें शुभकामनाएं देने को लेकर विशेष उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली।

इस अवसर पर विधायक गोमती साय एवं रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार राय सहित जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सदस्यगण, पंचायत प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के प्रतिनिधिगण, जनप्रतिनिधि, कमिश्नर नरेंद्र दुगा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेश सिंह तथा अन्य अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें

बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

क्रिकेट की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने वाली शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, इचकेला की प्रतिभाशाली छात्राओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रोत्साहित करते हुए 15 क्रिकेट किट प्रदान किया। छात्रावास की इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगे इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ निरंतर आगे बढ़ती रहें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करें। बगीचा से आए विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय पहाड़ी कोरवा समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

खाद्य मंत्री बघेल ने उपभोक्ता संरक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण पहल

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयलदास बघेल ने उपभोक्ता संरक्षण विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.पी. साही, छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता प्रतिरोधक आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरविया, खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले, मध्यप्रदेश, गोवा, बिहार, झारखंड उत्तरप्रदेश सहित आठ राज्यों के प्रतिनिधि एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.पी. साही ने कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तकनीकी एवं विधिक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।



इसी क्रम में जागरूकता एवं तकनीकी पहलुओं की प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में तकनीकी, डिजिटल व्यवस्था, प्रक्रियात्मक सुधार और विधायी संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान दौरान ई-प्रणालियों का विस्तार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग को जानकारी दी गई। वहीं ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से

उपभोक्ताओं को घर बैठे शिकायत दर्ज करने और सुनवाई में भाग लेने की सुविधा मिल रही है। उपभोक्ता न्याय को किफायती, पारदर्शी और त्वरित बनाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान शिकायत स्वीकृति की प्रक्रिया, उपभोक्ता आयोग के आर्थिक एवं क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार, शिकायत और जवाब दवा सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण विषयों को स्पष्ट किया।

परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों के लिए 'हेल्पलाइन 2026' मार्गदर्शन एवं परामर्श की सशक्त पहल



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 के विद्यार्थियों की शंकाओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन 2026+ का संचालन परीक्षा के एक दिवस पूर्व प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

यह हेल्पलाइन 05 फरवरी 2026 से मण्डल की अध्यक्ष रेणु जी. पिहले एवं सचिव पुष्पा साहू के निर्देशन में निरंतर संचालित है, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ-साथ मानसिक संतुलन भी प्राप्त हो रहा है। आज 21 फरवरी 2026

को राजनीति शास्त्र, रसायन शास्त्र, लेखा शास्त्र, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र, वस्तु चित्रण एवं आलेखन तथा शरीर क्रिया विज्ञान एवं प्राथमिक चिकित्सा (फिजियोलॉजी एंड फर्स्ट एड) विषयों के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया।

इस अवसर पर सुनिता पाण्डेय, आस्था निगम, सोमा बनिन, अर्पणा तिवारी, नम्रता तिवारी, रजना ठाकुर, राजकुमार गेन्डे, निशा सिंह, दीपा सावरकर एवं सहायक प्राध्यापक अखिलेश वामन ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कीं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की तत्परता से दो दिव्यांगों को मिली स्कूटी

दिव्यांग धरम सिंह पटेल और उलख राम पटेल चेहरे पर लौटी मुस्कान

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय कवर्धा में दो दिव्यांग लाभार्थियों को स्कूटी का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम अमरौड़ी निवासी धरम सिंह पटेल और ग्राम खिरसाली निवासी उलख राम पटेल को स्कूटी की चाबी सौंपकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके दैनिक जीवन को सुगम करना है। स्कूटी मिलने से लाभार्थियों को आवागमन में सुविधा होगी तथा वे अपने कार्यों को स्वतंत्र रूप से कर सकेंगे। इस अवसर पर धरम सिंह पटेल ने बताया कि वे विद्युत विभाग में अस्थाई रूप से ऑपरेटर का कार्य करते हैं। पहले उन्हें कार्य में जाने में बहुत असुविधा हुआ करती थी आवश्यक गतिविधियों के लिए आवागमन में किसी पर निर्भर रहना



पता था, अब स्कूटी मिल जाने से वे अपने अनुसार कार्य पर जा आ सकेंगे। उलख राम पटेल ने बताया कि वे कपे सिलने का कार्य करते हैं ऐसे में स्कूटी मिल जाने से उन्हें अपने कार्य में बहुत आसानी होगी। दोनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उनके आवेदन पर त्वरित कार्रवाई कर आज उन्हें स्कूटी उपलब्ध कराई गई जिससे वे खुश हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री

शर्मा ने दोनों को वाहन चलाने का भी अभ्यास करवाया और दोनों का स्वागत कर उत्साहवर्धन किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सर्वाधिकारण, सामाजिक समावेशन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि सभी नागरिक सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।

समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना आवश्यक: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री देवांगन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए माँ परमेश्वरी महोत्सव म

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर और श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन आज देवांगन जनकल्याण समिति दुर्ग द्वारा आयोजित माँ परमेश्वरी महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

महोत्सव को संबोधित करते हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। जब समाज संगठित रहेगा, तभी वह शिक्षा, व्यापार, शासकीय सेवा और राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि आज कई समाज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर चुके हैं, लेकिन कुछ समाज अभी भी पीछे हैं। ऐसे में सभी समाजों को मिल-जुलकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर व्यक्ति को आगे बने का



अवसर मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की अच्छी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाती है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री का भी यही उद्देश्य है कि समाज का हर वर्ग आगे बढ़े। उन्होंने प्रधानमंत्री

के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को दोहराते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक निशिध अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने देवांगन समाज को सुलझा हुआ और जागरूक समाज बताते हुए कहा कि यह समाज लंबे समय से व्यापार, कृषि और वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। उन्होंने कहा कि जाजगीर-चांपा क्षेत्र में कोसा व्यापार में भी देवांगन समाज की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी

समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह संगठित और मजबूत होकर चलता है, और इसके लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई बार बेटा-बेटी आगे नहीं बढ़ पाते। समाज को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो और बच्चों को आगे बने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि समाज को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला समाज बनना चाहिए। इस दौरान खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने महिलाओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सर्वाधिकारण से ही समाज और प्रदेश का समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पुष्पाकि लाल देवांगन, कमलेश देवांगन, संकटलाल देवांगन, अशोक देवांगन, कल्पना देवांगन, तुलसी साहू सहित समाज के पदाधिकरण एवं जनप्रतिनिधि भी संख्या में उपस्थित रहे।